अमर उजाला

PAGE NO : 09 BOTTOM

वार्षिकोत्सव

रिद्धिमा के चौथे स्थापना दिवस पर शास्त्रीय नृत्य के कार्यक्रमों ने बांधा समा

कथक संग थिरकी दीर्घा, हर ताल पर ताली

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा के चौथे स्थापना दिवस पर नृत्य, संगीत, नाट्य मंचन के साथ फाइन आर्ट की प्रदर्शनी लगाई गई। ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति ने प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री राम मूर्ति को याद किया।

उन्होंने कहा कि आज बाबू जी की 115वीं जयंती है। संगीत के प्रति उनके लगाव से प्रेरित होकर ही तीन वर्ष पहले उनकी याद में नृत्य, संगीत, कला, अभिनय को समर्पित रिद्धिमा की स्थापना की गई। इसकी मान्यता खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से है।

कार्यक्रम में कथक और भरतनाट्यम के विद्यार्थियों ने अरज सुनो बनवारी फ्यूजन पर प्रस्तुति दी। गुरु विनायक श्रीवास्तव और उनके विद्यार्थियों ने हास्य नृत्य नाटिका 'छींक' प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। इंस्ट्रूमेंट, वोकल और लाइव पेंटिंग की सामूहिक प्रस्तुति को सभी दर्शकों ने सराहा।

रिद्धिमा के वार्षिकोत्सव में मौजूद पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन व गणमान्य नागरिक। अमर उजाला

चौथे स्थापना दिवस पर फोटोग्राफी कोर्स का शुभारंभ

रिद्धिमा के चौथे स्थापना दिवस के मौके पर फोटोग्राफी कोर्स शुरू किया गया। स्टूडियो का उद्घाटन चेयरमैन देव मूर्ति और आदित्य मूर्ति ने किया। इसमें तीन और छह माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। देवमूर्ति ने कहा कि तीन वर्ष में रिद्धिमा में 120 नाटकों का मंचन हुआ। स्थापना के बाद से ही यहां थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में नाटकों का मंचन किया जा रहा है, जिसमें देश के अलग-अलग प्रांतों के कलाकार आते हैं।

इस दौरान फाइन आर्ट प्रदर्शनी लगाई गई। उसके विजेता सम्मानित किए गए। समारोह में उषा गुप्ता, डा. अनुज कुमार, पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन, आशा मूर्ति, श्यामल गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल, सेवानिवृत्त एयर मार्शल डा. एमएस बुटोला, डा. आरपी सिंह, डा. प्रभाकर गुप्ता आदि थे।